

किसी भी तरह के  
विज्ञापन एवं  
समाचार के लिए  
संपर्क करें मो०:  
9891706853

दैनिक

# समाज जागरण

TITLE CODE : UPHIN49919



नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 01 अंक: 266 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) सोमवार 04 जुलाई 2022 vatankiawaz@gmail.com पेज: 12 मूल्य 05 रुपये

## अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक केरी बैग मुक्त दिवस पर छात्रों को अखबार का लिफाफे बनाना सिखाया

देव मणि शुक्ल ब्यूरो प्रभारी नोएडा नारी प्रगति सोशल फाउंडेशन ने विचार-धारा के तहत यशोदा पब्लिक स्कूल के छात्रों को पोलिथीन का प्रयोग रोकने के लिये पुराने न्यूज पेपर के लिफाफे बनाने सिखाये। बच्चों



द्वारा बनाये हुए लिफाफे वेंडर्स को दिये जायेंगे जिससे पोलिथीन के प्रयोग पर रोक लगाने में सफल होंगे और बच्चों के साथ साथ माता-पिता भी जागरूक होंगे। इसके साथ-साथ सबसे महत्वपूर्ण, वेंडर्स पोलिथीन के स्थान पर बच्चों द्वारा बनाए गए लिफाफे प्रयोग करेंगे और उसके लिए बच्चों को पाठ्य लेखन सामग्री देगे। प्रत्येक शनिवार छात्रों द्वारा पुराने न्यूज पेपर के लिफाफे बनाए जायेंगे और लिफाफे वेंडर्स को दिये जायेंगे। यह पोलिथीन रोकने का बहुत ही सराहनीय प्रयास है। जिससे समाज में एक जागरूकता का अर्थुदय होगा। और इससे समाज में फैल रही तमाम बीमारियों से निजात मिलेगी। प्रदूषण पर भी अवरोध लगेगा।

## दोहरे हत्याकांड से पिनाहट में विरोध स्वरूप बाजार बंद

एसएसपी घटना स्थल पहुंच अधीनस्थों के कसे पेंच आगरा (बी एन मिश्रा) पिनाहट में एक गल्ला व्यापारी और उनकी पत्नी



की बदमाशों ने लूटपाट के दौरान हत्या कर दी। हत्या के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। वारदात की जानकारी होते ही कस्बे का बाजार पूरी तरह से बंद हो गया। सभी दुकानदार मौके पर आ गये। घटना की जानकारी मिलते ही एसएसपी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए। सुरेश चंद गुप्ता की क्षेत्र में आदत और तेल मिल है। शनिवार को वह आगरा में अपने बेटे के पास गए थे। शाम को वापस लौटने के बाद उन्होंने मिल खोली। रात को वह घर चले गए। आज दोपहर तक सुरेश चंद गुप्ता और उनकी पत्नी कृष्णा घर से बाहर नहीं निकले तो पड़ोसियों को कुछ अन्वेषण का शक हुआ। पड़ोसियों ने घर में घुसकर देखा तो प्रथम तल पर कमरे में सुरेश चंद गुप्ता बेड पर लहलुहान पड़े हुए थे। वहीं उनकी पत्नी का शव फर्श पर पड़ा हुआ था। दोनों के गले पर निशान थे। घर में सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। सामान बिखरा पड़ा होने के कारण लूट की भी आशंका जताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही एसएसपी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने घटनास्थल का मुआयना किया। इसके साथ ही घुसकर के परिवार वालों से भी बात की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दोहरे हत्याकांड का जल्दी खुलासा किया जाए। एसपी पूर्वी सोमेश्वर मीणा ने भी मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि ये मामला लूटपाट का मालूम पड़ रहा है। व्यापारी के घर में सीसीटीवी कैमरे नहीं थे। आसपास के कैमरा से छानबीन की जा रही है। व्यापारी के परिजन भी आगरा से आ गए हैं। इनसे भी बातचीत की जा रही है।

## विशेष लोक अदालत में 111 वादों का निस्तारण किया गया

देव मणि शुक्ल ब्यूरो प्रभारी

नोएडा मानवीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद व उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में आर्बिट्रेशन के निष्पादन वादों के निस्तारण के उद्देश्य से विशेष लोक अदालत का आयोजन मानवीय जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर श्री अरविश सक्सेना की अध्यक्षता एवं दिशा-निर्देशन में आज दिनांक 03.07.2022 को जनपद न्यायालय, गौतमबुद्धनगर में किया गया। जिसमें विभिन्न जिला न्यायालयों द्वारा कुल 111 वादों का निस्तारण किया गया। सचिव, पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर श्री जयहिंद कुमार सिंह द्वारा न्यायालयवार प्राप्त विवरण के अनुसार बताया गया कि मानवीय जिला जज श्री अरविश सक्सेना द्वारा 09 वाद, पीठासीन अधिकारी वाणिज्य न्यायालय श्री अनुपम कुमार द्वारा 24 वाद, अपर जिला जज प्रथम वेद प्रकाश वर्मा द्वारा 07 वाद, अपर जिला जज तृतीय पुष्पेन्द्र सिंह द्वारा 05 वाद, अपर जिला जज चतुर्थ ज्योत्सना सिंह द्वारा 11 वाद, अपर जिला जज पंचम मोना पवार द्वारा 48 वाद, अपर जिला जज/एफओटी0सी प्रथम डा0 अनिल कुमार सिंह द्वारा 03 वाद, अपर जिला जज/एफओटी0सी द्वितीय राजीव कुमार वत्स द्वारा 04 वाद का निस्तारित किया गया। उपरोक्तानुसार विशेष लोक अदालत में कुल 111 मामलों का निस्तारण किया गया।

UPHIN49919

**दैनिक समाज जागरण**

विज्ञापन व समाचार देने के लिए संपर्क करें

जिला प्रभारी

मो० 9720966533

## हैदराबाद में BJP ने भरी हुंकार, तेलंगाना की जनता से PM मोदी ने किया ये वादा

हैदराबाद परेड ग्राउंड में पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए तेलंगाना के विकास कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

हैदराबाद में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परेड ग्राउंड में रैली को संबोधित किया। पीएम ने कहा कि आज ऐसा लग रहा है कि जैसे पूरे तेलंगाना का स्नेह यहां इस मैदान में ही सिमट आया है। तेलंगाना के अलग-अलग जिलों से आप यहां इतनी बड़ी संख्या में आये हैं। आपके इस स्नेह के लिए, इस आशीर्वाद के लिए मैं आपका अभिनन्दन करता हूँ, तेलंगाना की धरती का वंदन करता हूँ।

### हैदराबाद हर टैलेंट की उम्मीदों को नई उड़ान देता है

पीएम मोदी ने कहा कि जिस तरह हैदराबाद शहर हर टैलेंट की उम्मीदों को नई उड़ान देता है, वैसे ही भाजपा भी देश की आशाओं-अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए दिन रात मेहनत कर रही है। तेलंगाना के लोग, पूरी दुनिया में कड़ी मेहनत और देश के विकास के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते हैं। तेलंगाना में कला, कौशल, कर्मठता भरपूर है। तेलंगाना, प्राचीनता और पराक्रम की पुण्य स्थली है।

### तेलंगाना का विकास भाजपा की प्राथमिकता

उन्होंने कहा कि तेलंगाना का विकास, चौतरफा विकास, भारतीय जनता पार्टी की पहली प्राथमिकताओं में से एक है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर चलते हुए हम तेलंगाना के विकास का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। बीते 8 वर्षों में हमने हर भारतीय के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया है। देशवासियों के जीवन कैसे आसान हो, विकास का लाभ कैसे हर व्यक्ति, हर क्षेत्र तक पहुंचे, इसके लिए हमने निरंतर काम किया है। जो



वंचित, शोषित रहे उनको भी राष्ट्रीय योजनाओं के माध्यम से हमने विकास में भागीदार बनाया है।

सबका साथ, सबका विकास यही कारण है कि गरीब, दलित, वंचित, पिछड़े, आदिवासी सभी को आज लगता है कि भाजपा सरकार उनकी आवश्यकताओं और आकांक्षाओं दोनों की पूर्ति कर रही है। देश की महिलाओं को भी आज महसूस हो रहा है कि उनका जीवन आसान हुआ है, उनकी सुविधा बढ़ी है। अब वो राष्ट्र के विकास में अधिक योगदान दे सकती हैं। तेलंगाना के गरीबों को मुफ्त राशन हो, गरीबों को मुफ्त इलाज हो, भाजपा सरकार की नीतियों का लाभ सभी को बिना भेदभाव मिल रहा है। यही तो सबका साथ, सबका विकास है।

### जब भाजपा को अभूतपूर्व सफलता मिली

पीएम मोदी ने कहा कि इसी वजह से आज देश के



सामान्य नागरिक का भाजपा पर इतना विश्वास है, आपका ये उत्साह, आपका ये प्यार आज पूरे देश को पता चल रहा है। 2019 के चुनाव में भाजपा ने जितना जनसमर्थन तेलंगाना में हासिल किया था, उसमें निरंतर वृद्धि हो रही है। भाजपा ने जितना जनसमर्थन तेलंगाना में हासिल किया था, उसमें निरंतर वृद्धि हो रही है। ग्रेटर हैदराबाद के चुनावों में इसकी एक और झलक हमने देखी, जब भाजपा को अभूतपूर्व सफलता मिली।

### तेलंगाना की लाखों गरीब बहनों को धुएँ से मुक्ति मिली

स्वच्छ भारत अभियान से तेलंगाना की लाखों गरीब माताओं-बेटियों को सम्मान का जीवन मिला है। उज्वला योजना से मिले मुफ्त गैस कनेक्शन से तेलंगाना की लाखों गरीब बहनों को धुएँ से मुक्ति मिली है। मातृत्व के समय पोषण से लेकर टीकाकरण की सुविधाओं को हमने तेलंगाना के गांव-गांव तक

पहुंचाया है। इसी का परिणाम है कि आज बहनों बेटियों का स्वास्थ्य भी सुधर रहा है और उनके जीवन पर संकट भी कम हुआ है। हम इस 21वीं सदी में देश के नारी शक्ति को राष्ट्रशक्ति बनाने का ईमानदार प्रयास कर रहे हैं।

### तेलंगाना भारत में Research और Innovation का एक बड़ा केंद्र

हाल ही में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक बैंकों में जमा धनराशि में महिलाओं की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ रही है। ग्रामीण महिलाओं के मामले में ये आंकड़े और भी ज्यादा हैं। जन धन योजना के तहत पूरे देश में 45 करोड़ बैंक खाते खोले गए। जिनमें से 1 करोड़ से ज्यादा जन धन बैंक खाते तेलंगाना में खोले गए हैं, इनमें से 55% से ज्यादा खाते महिलाओं के हैं। तेलंगाना भारत में Research और Innovation का भी एक बड़ा केंद्र है।

### तेलुगु में टेक्नोलॉजी और मेडिकल की पढ़ाई होगी

कोरोना काल में वैक्सीन को लेकर, दूसरे साजो सामान को लेकर जो काम यहां हुआ है, उसने पूरी दुनिया में करोड़ों जीवन बचाने में मदद की है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में हमने स्थानीय भाषा में पढ़ाई को प्राथमिकता दी है। जब तेलुगु में टेक्नोलॉजी और मेडिकल की पढ़ाई होगी, तो तेलंगाना के गांवों की, गरीब परिवार की माताओं के सपने सच होंगे। आत्मनिर्भर भारत अभियान को रामगुंडम खाद कारखाना भी सशक्त कर रहा है। बीते दशकों में देश के जो अनेक खाद कारखाने बंद हुए थे, उनमें से ये भी एक था। 2015 में हमने इसे फिर से चालू करने के लिए काम शुरू किया, लगभग साढ़े 6 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया।

## तनाव रहित पत्रकारिता के लिए ध्यान का महत्व

(हरेश उपाध्याय) नोएडा-ब्रह्मा कुमारी, दिल्ली जोन के मीडिया विंग के सौजन्य से ब्रह्मा कुमारी राजयोग सेंटर सेक्टर -26 नोएडा में विशेषकर मीडिया परसेपल के लिए तनाव रहित पत्रकारिता के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न वक्ताओं ने बताया कि किस प्रकार से ध्यान के द्वारा तनाव रहित पत्रकारिता की जा सकती है। सेमिनार का आगाज मुख्य अतिथि व अध्यक्ष प्रोफेसर संजय द्विवेदी आईआईएम सी निदेशक व मारवाह स्टूडियोज व एशियन एकेडमी ऑफ फिल्म एवं टेलीविजन नोएडा के प्रेसिडेंट डाक्टर संदीप मारवाह ने किया। मंच का बखूबी संचालन सुशांत भाई ने किया तो लक्ष्मी व सुदेश और सुजाता तथा ललिता, वर्षा दीक्षितों ने मीडिया कर्मियों के बावत राजयोग व ध्यान के गोल्लन टिप्स पर प्रकाश डाला। इस मौके पर इंडियन जर्नलिस्ट वेल्फेयर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट व वरिष्ठ पत्रकार राजीव निशाना, आल इंडिया रेडियो के एडवाइजर उमेश चतुर्वेदी, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सुनिल मिश्रा, राजेश



डांग, रोडर्स मैसेंजर समूह के प्रतिनिधि, दैनिक जागरण समाचार पत्र के प्रमुख संपादक रमन झा सहित तमाम मीडिया कर्मी गणमान्य लोग व नोएडा राजयोग सेंटर के भाई बहन मौजूद रहे। सेमिनार के अंत में, दीदी प्रमुख ने ब्रह्म भोजन के लिए आर्मांत्रित कर मीडिया कर्मियों को इश्वरीय सौगात से भी नवाजा।

## मगध विवि के पूर्व वीसी राजेंद्र प्रसाद परजारी हुआ गैर जमानतीय वारंट।

समाज जागरण पटना बिहार हेड (आर.के.पांडेय)

पटना-काँपी व ई-बुक खरीद में करोड़ों के गबन के

इस घटना को लेकर शिक्षा जगत के अलावा राजनीतिक गलियारे में काफ़ी उनकी आलोचना हुई थी।

सरकार ने भी उनके खिलाफ जांच करने की मांग करते हुए कुलाधिपति कार्यालय को पत्र लिखा था। भ्रष्टाचार का आरोप लगने के बाद कुलपति राजेंद्र प्रसाद के कई ठिकानों पर सतर्कता अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने एक साथ छापेमारी की थी। इस कार्रवाई में लाखों की संपत्ति मिली थी। इस मामले में पटना उच्च न्यायालय ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज कर दी थी। इन आरोपों और जांच के चलते प्रोफेसर राजेंद्र प्रसाद अपने स्वास्थ्य कारणों



मामले में मगध विश्वविद्यालय के पूर्व वाइस चांसलर डॉ राजेंद्र प्रसाद बुरी तरह से फंस गये हैं। निगरानी के विशेष लोक अभियोजक आनंदी सिंह ने बताया कि डॉ राजेंद्र प्रसाद का अग्रिम आवेदन उच्च न्यायालय द्वारा खारिज होने के बाद गैर जमानतीय वारंट जारी हुआ है। ऐसे में अब उन्हें कभी भी गिरफ्तार किया जा सकता है। हालांकि इसी मामले में नामजद अभियुक्त डॉ पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा, जयनंदन प्रसाद सिंह, विनोद सिंह, व सुबोध कुमार को उच्च न्यायालय से नियमित जमानत मिल चुकी है। मगध विश्वविद्यालय में तय कीमत से अधिक दाम पर उत्तर पुस्तिकाओं की खरीद, प्रश्नपत्रों की छपाई और सुरक्षा गार्डों की संख्या ज्यादा बताकर उनके वेतन भुगतान से संबंधित अनेक वित्तीय अनियमितताओं के आरोप पूर्व वीसी डॉ राजेंद्र प्रसाद पर लगे हैं।

का हवाला देकर अवकाश पर चल रहे थे, वित्तीय अनियमितताओं के मामले में पटना उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान न्यायालय ने उन पर लगे वित्तीय अनियमितताओं के मामले में कड़ा रुख अख्तियार किया था और उनके द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि उन्हें गिरफ्तारी पर रोक लगाने की छूट नहीं दी जा सकती। 20 करोड़ के गबन का है आरोप। एमयू के पूर्व वीसी सहित सभी अभियुक्तों पर आरोप है कि विश्वविद्यालय के उच्च पदाधिकारियों ने पद का दुरुपयोग करते हुए आपसी साजिश कर नियमों को ताक पर रख बिना कमेटी की अनुमति के व नियमों का उल्लंघन करते हुए अपने नजदीकी कंपनियों को काँपी व ई-बुक खरीदने का ठेका देकर करीब 20 करोड़ रुपये का गबन किया है।

## बबराला बार वैलफेयर एसोसिएशन गुन्ौर के अधिवक्ताओं ने एक आपात बैठक बुलाई।

जिसमें लेखपाल वसीम व उनके साथियों ने हमारे अधिवक्तागण की पिटाई एवं उनकी चैन व एक हजार नकद छीनने का दोषी होते हुए भी उल्टी एफआईआर कराने के लिए प्रार्थना पत्र एसडीएम के समक्ष देने पर विचार किया गया। उक्त घटना से अधिकतर अधिवक्ताओं ने रोष व्यक्त किया है। इस पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समस्त अधिवक्तागण उचित समाधान



## पूरी होगी बिहार की मुरादे, मिलेंगे नए तोहफे।

समाज जागरण पटना से बिहारहेड

(राजेंद्र कुमार पांडेय की रिपोर्ट)

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 जुलाई को बिहार

और झारखंड के दौर पर आने संभावना है। उनके दौर को लेकर दोनों राज्यों में महामहामा तेज है। सूत्रों के अनुसार पीएम मोदी 12 जुलाई को पटना आएंगे। वे यहाँ बिहार विधानसभा के शताब्दी समारोह में भाग लेंगे और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात करेंगे। हालांकि उनके दौर के मुख्य केंद्र झारखंड माना जा रहा है जहाँ वे देवघर जाएंगे। पीएम मोदी के 12 जुलाई को पटना के बाद देवघर जाने की संभावना है।

देवघर से बनारस के लिए गतिमान एक्सप्रेस भी शुरू होनी है। इस नई ट्रेन से सात घंटों में दोनों धार्मिक स्थलों के बीच का सफर पूरा होगा। देवघर एक्स और



वे देवघर में बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में पूजा कर सकते हैं। बाद में वहाँ देवघर हवाईअड्डे का उदघाटन करेंगे और देवघर कॉलेज में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान पीएम मोदी एक रोड शो भी करते हैं। हालांकि उनके कार्यक्रम की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है लेकिन देवघर में इन दिनों तैयारियाँ जोरों पर हैं। बिहार और झारखंड के इस दौर के दौरान वे दोनों राज्यों के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कर सकते हैं। खासकर देवघर हवाई अड्डे की शुरुआत के आलावा रेल और सड़क से जुड़ी कई परियोजना को स्वीकृति मिलने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार पीएम मोदी संथाल परगना के पांच जिलों समेत बिहार के बांका के लिए गैस पाइप लाइन योजना की शुरुआत करेंगे। इससे बिहार के बांका में बड़े स्तर पर लोगों को फायदा होगा। इसी तरह देवघर एक्स में 250 बेड का अस्पताल और एकेडमिक बिल्डिंग की घोषणा हो सकती है।

गतिमान एक्सप्रेस दोनों ही न सिर्फ झारखंड बल्कि बिहार के लिए बेहद खास है। दरअसल, पूर्वी बिहार के कई जिलों बांका, जमुई, भागलपुर, मुंगेर आदि को हवाई सफर के लिए अब विकल्प के तौर पर एक नया हवाई अड्डा मिल जाएगा। साथ देवघर एक्स भी बिहार के इन जिलों के लिए बड़ी राहत देगा। मौजूदा दौर में इन जिलों के लोगों को उपचार और हवाई सफर के लिए पटना पर निर्भर रहना पड़ता है। अब उन्हें वे सुविधाएं देवघर में मिल जाएंगी। इसी तरह गतिमान एक्सप्रेस शुरू होने से पटना सहित बिहार के कई शहरों के लोगों को बनारस और देवघर जाना आसान हो जाएगा। लम्बे समय से राज्य के लोग एक तेज गति की ट्रेन की मांग करते रहे हैं। हंसडीहा-महागामा फोर लेन सड़क, गोड्डा स्टेशन में कोचिंग यार्ड, मधुपुर स्टेशन में वाशिंग पिट, जसीडीह रेल बाईपास कुछ ऐसी योजना है जिसकी सौगात पीएम मोदी दे सकते हैं।

### साधना पथ (भाग 185)



देव मणि शुक्ल

साधको एक प्रश्न बहुत ही विचारणीय है, कि हम सब अपने पास आने वालों से सदैव याचना ही क्यों करते है? वैसे शास्त्र तो यही कहता है कि त्याग

विद्या, बुद्धि सम्पादित करना चाहते हैं, तो त्याग कीजिए! आपके पास में जो है उसे दीजिए! अगर हमें कुछ लेना है तो कोई भी वस्तु मुफ्त में नहीं मिलती। हमारे आपके पास पैसा, रोटी, विद्या, श्रद्धा, सदाचार, भक्ति, प्रेम, समय, शरीर जो भी हो, मुक्त-हस्त होकर दुनियाँ को दीजिए! बदले में हमें आपको बहुत कुछ मिलेगा।

भरत जी ने सिंहासन का त्याग किया, हनुमान जी ने अपना मान छोड़ा, उन्होंने जो छोड़ा था, उससे अधिक पाया।

विश्वकवि रवीन्द्रनाथ टैगोर अपनी कविता में कहते हैं- "उसने हाथ पसार कर मुझसे कुछ माँगा, मैंने अपनी झोली में से अन्न का एक छोटा दाना उसे दे दिया। शाम को मैंने देखा कि मेरी झोली में उतना ही छोटा एक सोने का दाना मौजूद था। मैं फूट-फूट कर रोया कि क्यों न मैंने अपना सर्वस्व न डाला, जिससे मैं बिखारी से राजा बन जाता। कहने का तात्पर्य सिर्फ इतना है कि त्याग ही हमें महान भी बनाता है, बन्धन से मुक्त भी करता है और हमें बहुत कुछ प्राप्त भी कराता है।



साधको एक प्रश्न बहुत ही विचारणीय है, कि हम सब अपने पास आने वालों से सदैव याचना ही क्यों करते है? वैसे शास्त्र तो यही कहता है कि त्याग

साधको एक प्रश्न बहुत ही विचारणीय है, कि हम सब अपने पास आने वालों से सदैव याचना ही क्यों करते है? वैसे शास्त्र तो यही कहता है कि त्याग

विद्या, बुद्धि सम्पादित करना चाहते हैं, तो त्याग कीजिए! आपके पास में जो है उसे दीजिए! अगर हमें कुछ लेना है तो कोई भी वस्तु मुफ्त में नहीं मिलती। हमारे आपके पास पैसा, रोटी, विद्या, श्रद्धा, सदाचार, भक्ति, प्रेम, समय, शरीर जो भी हो, मुक्त-हस्त होकर दुनियाँ को दीजिए! बदले में हमें आपको बहुत कुछ मिलेगा।

# शिक्षा की टोष बुनियाद एवं सम्यक आर्थिक वैज्ञानिक नीति राष्ट्र की आवश्यकता।

हर राष्ट्र के विकास के लिए शिक्षा का अति महत्वपूर्ण किरदार होता है जिस राष्ट्र में शिक्षा, संस्कृति जितनी गहरी और समृद्ध हो वह राष्ट्र उतना ही विकसित, पुष्पित, पल्लवित होता है। इसके साथ आर्थिक तथा वैज्ञानिक सोच भी अत्यंत विचारणीय है। हर देश में राष्ट्र के प्रति और राष्ट्रहित के प्रति चिंतन करने वालों का समूह होना चाहिए, जो प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक तथा राष्ट्रहित के विचारों और विकास के मूल मंत्र को नई ऊर्जा ताजा हवा और आगे बढ़ने को सच्चाई को इंगित कर सके। बिना संस्कृति, संस्कार और वैचारिक क्षमता के कोई भी राष्ट्र वैश्विक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय प्रगति करने की सोच भी नहीं सकता। वैचारिक और सैद्धांतिक अंतरधारा, सिद्धांतों को कुचला या नष्ट नहीं किया जा सकता। व्यक्तिगत वैचारिक अभिव्यक्ति भारत के संदर्भ में गणतंत्र की मूल आत्मा है। विचार और सिद्धांत व्यक्ति की अंतःप्रज्ञा होती है। यह सिद्धांत तथा अंतः विचारधारा जनमानस तक पहुंचने से बाधित किया जाए तो अंतरात्मा की प्रभावित करती है। इसके गहरे प्रभाव से व्यक्ति वह सब कर सकता है, जो बिना मार्गदर्शन के व्यक्ति नहीं कर सकता। प्राचीन काल से अब तक मनीषियों के वैचारिक सिद्धांत और विचारधारा सदैव समाज के दिग्दर्शक मार्गदर्शक रहे हैं। इनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। यदि यही सिद्धांत और अंतः प्रज्ञा जनमानस आत्मसात कर लेता है, तो इसका प्रभाव एक जन आंदोलन का रूप ले लेता है और यहीं से युग परिवर्तन की लहर उत्पादित होती है। प्राचीन

यूनान में एक बहुत ही कुरूप किंतु विद्वान व्यक्ति रहते थे, उनके विचारों में मौलिकता, नयापन जनजागृति की अद्भुत क्षमता थी। उनकी विद्वता के कारण आम जनमानस होने राजा से ज्यदा महत्व और बुद्धिमान मानते थे। राजकीय तानाशाही के चलते उनके विचारों के कारण उनको मृत्युदंड दे दिया गया। जहर का प्याला पीने के बाद भी विद्वान, चिंतक, सुकुरात अमर हो गए, उनकी विचारधारा आज भी जीवित है, एवं लोग उसे अपनाकर अपना जीवन सुधारने में इसका उपयोग करते हैं। अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी स्वतंत्रता के बाद दास प्रथा के बारे में कहा था कि दास भी मनुष्य हैं, उन्हें भी उतना ही जीने का अधिकार है जितना स्वामी को है। अब्राहम लिंकन के आंदोलनकारी विचार से तत्कालीन समय में अमेरिका के लोग घबरा गए थे, और उनकी हत्या कर दी गई थी। पर अब्राहम लिंकन के विचारों ने दास प्रथा के उन्मूलन की अंतर आत्मा को जागृत कर दिया था, और जनमानस ने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए दास प्रथा से मुक्ति पाई थी। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि हम जो सोचते हैं वही बन जाते हैं। विचार एवं सिद्धांत ही व्यक्ति का निर्माण करता है। वही दुष्ट होने या महान होने का निर्णायक है। और बिना विचारों सिद्धांतों के व्यक्ति का अस्तित्व ही नहीं। विवेकानंद जी के विचार सर्व कालीन प्रासंगिक है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवित रहते हुए थे। आज हमारे बीच विवेकानंद जी स शरीर मौजूद नहीं है, पर उनके विचारों की महत्ता कायम है। भौतिक शरीर के नष्ट हो जाने से और भौतिक

विचार तथा सिद्धांत उतनी ही तीव्रता रखते हैं, वेग रखते हैं, जो एक समाज में परिवर्तन ला सकती है। विचारों की यह अमरता तथा तीव्रता किसी भी तानाशाह के लिए इतनी खतरनाक है, जितनी की सुत शेर की गुफा में रहना। जनता के मध्य शुद्ध विचारधारा के जागृत होने पर क्रांति लाई जा सकती है। फिर चाहे वह फ्रांस के वसाय के महल का विध्वंस हो अथवा भारत की स्वतंत्रता हेतु वृहद आंदोलन हो। व्यक्ति या व्यक्तियों के दबाव को दबाने के बाद विचारों की पीड़िता ने जनसामान्य को एक गरजते हुए सिंह में तब्दील कर दिया था। यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को जरूर आप दबा सकते हैं, पर विचारधारा सिद्धांत अजर अमर होते हैं, और वही युग निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाते हैं। विचारों के संदर्भ में कहा जाता है कि एक व्यक्ति का विचार तब तक उस व्यक्ति के पास है, जब तक वह अकेला है किंतु जैसे ही विचारधारा एवं सिद्धांत का प्रचार प्रसार होता है, तो वह व्यक्ति अकेला ना रह कर उस जैसे हजारों लाखों लोग उसके साथ हो जाते हैं। तब वह अकेला नहीं रह जाता। वह अपने विचारों के माध्यम से जन सामान्य को प्रभावित कर लोगों को उस लड़ाई में शामिल कर लेता है, जिस लड़ाई के वह कभी अकेले नहीं लड़ सकता था। विचारों सिद्धांतों की तीव्रता आवेश तथा सघनता किसी भी क्रांतिकारी लक्ष्य की प्राप्ति में एक बड़ा साधक हो सकता है। विचार व सिद्धांत एक से दूसरे व्यक्ति तक स्थानांतरित होते रहते हैं। जिसमें विचारों को सघनता प्राप्त होती है। ताकि सत्ता के दमन के समय वैचारिक अमरता स्थाई बनी रहे। चीन उत्तर कोरिया जैसे राष्ट्रों में विचारों के इस स्वतंत्र का



संजीव ठाकुर, स्वतंत्र लेखक, चिंतक, रायपुर छत्तीसगढ़

### अतीत से सीखें

अतीत की कड़वी सच्चाइयों से सीखने का प्रयास करें। जीवन से जो चला गया है उसका गम मनाने की बजाय जो बचा हुआ है, उसे संभालने का प्रयास करें। कुछ नई योजनायें बनाकर, नई उम्मीदों के साथ फिर कर्म के रण में उतर जाएं। जो खो गया है वह तो लौटकर नहीं आ सकता है। अपने नुकसान के लिए किसी को भी दोषी मानने की बजाय, और उससे बदला लेने की बजाय अपनी ऊर्जा को पुनः अपने उद्देश्य में लगायें। अपने पुराने दुःख से, अतीत की बुरी स्मृति से जब तक आप मुक्त ना होंगे तब तक भविष्य का सुनहरा कल आपका आलिंगन कैसे करेगा? वक्त सबको मिलता है, जीवन बदलने के लिए।

### विश्वविजेता स्वामी विवेकानंद

यदि कोई यह पूछे कि वह कौन युवा संन्यासी था, जिसने विश्व पटल पर भारत और हिन्दू धर्म की कीर्ति पताका फहराई, तो सबसे मुख से निःसंदेह स्वामी विवेकानन्द का नाम ही निकलेगा। विवेकानन्द का बचपन का नाम नरेन्द्र था। उनका जन्म कोलकाता में 12 जनवरी, 1863 को हुआ था। बचपन से ही वे बहुत शरारती, सहसी और प्रतिभावान थे। पूजा-पाठ और ध्यान में उनका मन बहुत लगता था। नरेन्द्र के पिता उन्हें अपनी तरह प्रसिद्ध वकील बनाना चाहते थे; पर वे धर्म सम्बन्धी अपनी जिज्ञासाओं के लिए इधर-उधर भटकते रहते थे। किसी ने उन्हें दक्षिणेश्वर के पुजारी श्री रामकृष्ण परमहंस के बारे में बताया कि उन पर माँ भगवती की विशेष कृपा है। यह सुनकर नरेन्द्र उनके पास जा पहुँचे। वहाँ पहुँचते ही उन्हें लगा, जैसे उनके मन-मस्तिष्क में विद्युत का संचार हो गया है। यही स्थिति रामकृष्ण जी की भी थी; उनके आग्रह पर नरेन्द्र ने कुछ भजन सुनाये। भजन सुनते ही परमहंस जी को समाधि लग गयी। वे रोते हुए बोले, नरेन्द्र मैं कितने दिनों से तुम्हारी प्रतीक्षा में था। तुमने आने में इतनी देर क्यों लगायी? धीरे-धीरे दोनों में प्रेम बढ़ता गया। वहाँ नरेन्द्र की सभी जिज्ञासाओं का समाधान हुआ। उन्होंने परमहंस जी से पूछा - क्या आपने भगवान को देखा है? उन्होंने उत्तर दिया - हाँ, केवल देखा ही नहीं उससे बात भी की है। तुम चाहो तो तुम्हारी बात भी करा सकता हूँ। यह कहकर उन्होंने नरेन्द्र को स्पर्श अपने ध्यान में उनका मन बहुत लगता था। नरेन्द्र के पिता उन्हें अपनी तरह प्रसिद्ध वकील बनाना चाहते थे; पर वे धर्म सम्बन्धी अपनी जिज्ञासाओं के लिए इधर-उधर भटकते रहते थे। किसी ने उन्हें दक्षिणेश्वर के पुजारी श्री रामकृष्ण परमहंस के बारे में बताया कि उन पर माँ भगवती की विशेष कृपा है। यह सुनकर नरेन्द्र उनके पास जा पहुँचे। वहाँ पहुँचते ही उन्हें लगा, जैसे उनके मन-मस्तिष्क में विद्युत का संचार हो गया है। यही स्थिति रामकृष्ण जी की भी थी; उनके आग्रह पर नरेन्द्र ने कुछ भजन सुनाये। भजन सुनते ही परमहंस जी को समाधि लग गयी। वे रोते हुए

उन्होंने अनेक स्थानों पर इन धूर्त मिशनरियों को शास्त्रार्थ की चुनौती दी; पर कोई सामने नहीं आया। इन्हीं दिनों उन्हें शिकागो में होने जा रहे विश्व धर्म सम्मेलन का पता लगा। उनके कुछ शुभचिन्तकों ने धन का प्रबन्ध कर दिया। स्वामी जी भी ईसाइयों के गढ़ में ही उन्हें लालकारना चाहते थे। अतः वे शिकागो जा पहुँचे। शिकागो का सम्मेलन वस्तुतः दुनिया में ईसाइयत की जटा का 1 र गुँजाणू का पड्डयन्त्र मात्र था। इसलिए विवेकानन्द को बोलने के लिए सबसे अन्त में कुछ मिनट का ही समय मिला; पर उन्होंने अपने पहले ही वाक्य ह्वअमरीकावासियो भाइयो और बहिर्नोह कहकर सबका दिल जीत लिया। तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूँज उठा। यह 11

### 4 जुलाई महत्वपूर्ण घटनाएँ

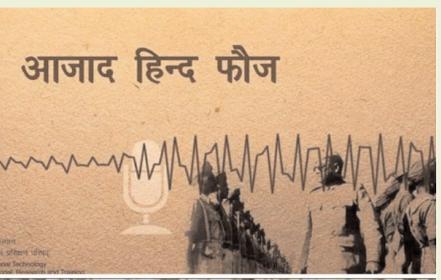
- 1698 - ब्रिटेन के थॉमस सेवरी ने पहले व्यवसायिक स्टीम इंजन का पेटेंट हासिल किया।
- 1751 - स्वीडन के रसायनशास्त्री और खदान विशेषज्ञ फ्रेडरिक क्रोन्स्टलर निकेल नामक धातु का पता लगाने सफल हुए।
- 1760 - मराठा सेना ने दिल्ली पर कब्जा किया।
- 1776 - अमरीका के 13 राज्यों के प्रतिनिधियों ने फिलाडेल्फिया नगर में इस देश की स्वतंत्रता के घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किये। इसी लिए इस दिन को अमेरिका की आजादी के तौर पर जाना जाता है।
- 1789 - ईस्ट इंडिया कंपनी ने पेशवा और निजाम के साथ टोपू सुल्तान के खिलाफ संधि की।
- 1934 - लियो जिलार्ड ने परमाणु बम के चेन रिएक्शन का पेटेंट कराया।
- 1943 - आजाद हिन्द फौज की स्थापना हुई।
- 1947 - ब्रिटिश संसद के सामने भारतीय स्वतंत्रता बिल का प्रस्ताव रखा गया था। जिसके तहत देश

- का रिकार्ड तोड़ा।
- जन्मदिवस-
- 1897 - प्रसिद्ध दक्षिण भारतीय स्वतंत्रता सेनानी अल्लुरी सीताराम राजू का जन्म हुआ।
- 1898 - भारत के भूतपूर्व कार्यवाहक प्रधानमंत्री गुलजारीलाल नन्दा का जन्म हुआ।
- 1941 - सरल सौम्य शांतिराम राम का जन्म हुआ।
- 1943 - भाषाविज्ञान, कोश निर्माण, पाठालोचन, अनुवाद और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान करने वाले भारतीय विमलेश कांति वर्मा का जन्म हुआ।
- पुण्यतिथि-
- 1902 - साहित्य, दर्शन और इतिहास के प्रकाण्ड विद्वान स्वामी स्वामी विवेकानन्द का निधन हुआ था।
- 1963 - राष्ट्रीय ध्वज को डिजाइन करने वाले स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वैकेय्या का निधन हुआ था।

### आजाद हिन्द फौज की स्थापना

सामान्य धारणा यह है कि आजाद हिन्द फौज और आजाद हिन्द सरकार की स्थापना नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने जापान में की थी; पर इससे पहले प्रथम विश्व युद्ध के बाद अफगानिस्तान में महान क्रांतिकारी राजा महेन्द्र प्रताप ने आजाद हिन्द सरकार और फौज बनायी थी। इसमें 6,000 सैनिक थे। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इटली में क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह ने ह्यआजाद हिन्द लश्करक बनाई तथा ह्यआजाद हिन्द रेडियोहक का संचालन किया। जापान में रासबिहारी बोस ने भी आजाद हिन्द फौज बनाकर उसका जनरल कैप्टेन मोहन सिंह को बनाया। भारत को अंग्रेजों के चंगुल से शैत्य बल द्वारा मुक्त कराना ही इस फौज का उद्देश्य था। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस 5 दिसम्बर, 1940 को जेल से मुक्त हो गये; पर उन्हें कोलकाता में अपने घर पर ही नजरबन्द कर दिया गया। 18 जनवरी, 1941 को नेताजी गायब होकर काबुल होते हुए जर्मनी जा पहुँचे और हिटलर से भेंट की। वहाँ सरदार अजीत सिंह ने उन्हें आजाद हिन्द लश्कर के बारे में बताकर इसे और व्यापक रूप देने को कहा। जर्मनी में बन्दी ब्रिटिश सेना के भारतीय सैनिकों से सुभाष बाबू ने भेंट की। जब उनके सामने ऐसी सेना की बात रखी गयी, तो उन सबने इस योजना का स्वागत किया। जापान में रासबिहारी बसु द्वारा निर्मित 'इण्डिया इण्डिपेंडेन्स लीग' (आजाद हिन्द संघ) का जून 1942 में एक सम्मेलन हुआ, जिसमें अनेक देशों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इसके बाद रासबिहारी बसु ने जापान शासन की सहमति से नेताजी को आमन्त्रित किया। मई 1943 में जापान आकर नेताजी ने प्रधानमंत्री जनरल तोजो से भेंट कर अंग्रेजों से युद्ध की अपनी योजना पर चर्चा की। 16 जून को जापानी संसद में नेताजी को सम्मानित किया गया। नेताजी 4 जुलाई, 1943 को आजाद हिन्द फौज के प्रधान सेनापति बने। जापान में कैद ब्रिटिश सेना के 32,000 भारतीय तथा 50,000 अन्य

सैनिक भी इस फौज में सम्मिलित हो गये। इस सेना की कई टुकड़ियाँ गठित की गयीं। वायुसेना, तोपखाना, अभियन्ता, सिमल, चिकित्सा दल के



साथ गान्धी ब्रिगेड, नेहरू ब्रिगेड, आजाद ब्रिगेड तथा रानी झौंसी ब्रिगेड बनायी गयी। इसका गुप्तचर विभाग और अपना रेडियो स्टेशन भी था। 9 जुलाई को नेताजी ने एक समारोह में 60,000 लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा, "यह सेना न केवल भारत को स्वतंत्रता प्रदान करेगी, अपितु स्वतन्त्र भारत की सेना का भी निर्माण करेगी। हमारी विजय तब पूर्ण होगी, जब हम ब्रिटिश साम्राज्य को दिल्ली के लाल किले में दफना देंगे। आज से हमारा परस्पर अभिवादन ह्यजय हिन्दह्य और हमारा नारा ह्यदिल्ली चलोह्य होगा।" नेताजी ने 4 जुलाई, 1943 को ही ह्यदुतम मुझे

### अपनी फटी पैबन्द अपनी टांक कर देख।

संजीव-नी।  
पराई दीवारों में झांकना, आसां बहुत।  
गुमान हो गर, जमीर में झांक कर देख, मजलूम पर, जिन्दगी खाक कर देख।  
पराई दीवारों में झांकना, आसां बहुत, कभीअपनी गिरिबा में झांक कर देख।  
चादरों में सुराख करना, आसां बहुत, अपनी फटी पैबन्द अपनी टांक कर देख।  
खुश है, नुक्स पर पराई मीनारों के, बारिश में ढहती दीवार ढाक कर देख,  
भ्रम है, तुझे, जिंदगी रंगीन है बहुत, मुफ्लिसी में जरा झांक कर देख,  
गैर की दौलत से किसका भला हुआ, फकीरी का तजुबा फांक कर देख,  
बेईमीनी चार दिन की चाँदनी, एक दिया पाक जला कर देख,  
जलते घरों से हाथ सेंकना, आसां, तिनका खुद का जरा जलाकर देख,  
खुशी अभी रूटी नहीं है, तुझसे संजीव, खिलखिलाहट में मासूम को, झांक कर देख,

### गणेश गीता (गीता भाग 102)

ब्रह्म की प्राप्ति के उपाय, शंका का समाधान  
इन्द्रियों का प्रकाशक है..  
विश्वभूचखिलव्यापि, त्वमेव नानेव भाषते बाह्यभयंरतः पूर्णसंगमं तमसः परम ,  
हे राजन ! वह परमात्मा विश्व को धारण करने वाला है सभी जगह विद्यमान है , एक होता हुआ भी अनेक रूपों में भासित है वह परमात्मा बाहर भीतर से पूर्ण है वह असंग और अंधकार से परे है  
दुजेयं चादिसूक्ष्मतावत अदीपनामापि भासकं ज्ञेयं एताहशं विद्ध,  
यदनादीन्द्रियैहीर्न, गुणभुगुणवर्जितं अच्यक्त सदसद्भिन्न् इन्द्रयाथावभासकं  
हे राजन ! जो अनादि व इन्द्रिय रहित, सत असत तय आदि गुणों का भोक्ता है, किन्तु गुण वर्जित, अच्यक्त, सत असत से परे तथा

गीता ज्ञान  
यदा यदा हि धर्मस्य स्तानिर्भवति भारत ।  
अभ्युत्थानमभवर्षतः तदाऽऽत्मानं सुजायम्ह ॥  
ज्ञानगम्यं पुरातनं हे राजन! परमात्मा अत्यन्त



















